कबर मे मोमिन और काफिर के अज़ाब के फर्क का बयां

मौलाना मुहम्मद इमरान कासमी बिज्ञानवी.

एक हज़ार मुन्तखब हदीसे मिश्कात शरीफ हिन्दी.

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहिम

१} अबू दाउद, रावी हज़रत बररा बिन आज़िब (रदी) से रिवायत है.

खुलासा:- रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया- कबर में मोमिन मुरदे के पास काले और नीली आँखों वाले दो फरिश्ते आते है जिनमें से एक को 'मुन्कर' और दूसरे को 'नकीर' कहा जाता है, और वे मुरदे को बैठाकर उससे पूछते है तेरा रब कौन है? वह जवाब देता है मेरा रब अल्लाह है, फिर फरिश्ते उससे पूछते है तेरा दीन क्या है? वह जवाब देता है मेरा दीन इस्लाम है, फिर फरिश्ते उससे पूछते है जो आदमी अल्लाह की तरफ से तुममें भेजा गया था वह कौन है? वह जवाब देगा वह अल्लाह के रसूल है, फिर फरिश्ते उससे सवाल करते है तुझे कैसे मालूम हुआ? वह जवाब देगा मैंने अल्लाह तआला की किताब

को पढा, उस पर ईमान लाया और उसको सच्चा तस्लीम किया.

रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया- अल्लाह तआला के इस कौल का यही मतलब है, तर्जुमाः जो लोग ईमान लाये अल्लाह उन लोगों को साबित कदमी (मज़बूती और कदमों का जमना) अता करता है. (सूरे इब्राहीम/१४, आयत/२७)

रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया- फिर आसमान से एक ऐलान करने वाला ऐलान करता है कि मेरा बन्दा सच्चा है, जन्नत से उसका बिस्तर बिछाओ और जन्नत का ही उसे लिबास पहनाओ और जन्नत की तरफ उसकी कबर का दरवाज़ा खोल दो, चुनाँचे उसके लिये जन्नत का दरवाज़ा खोल दिया जाता है, उसे जन्नत की ठंडी हवा और खुशबू पहुँचती है और उसकी कबर को जहाँ तक नज़र जाये खोल दिया जाता है. फिर रसूलुल्लाहﷺने काफिर के बारे में फरमाया कि उसकी रूह उसके जिस्म में लौटा दी जाती है.

और उसके पास दो फरिश्ते आते है, वे काफिर मय्यित को बिठाकर उससे सवाल करते है कि तेरा रब कौन है? वह जवाब

में कहता है मैं कुछ भी नहीं जानता, फिर वे उससे पूछते है तेरा दीन क्या है? वह जवाब देता है मैं कुछ नहीं जानता, फिर उससे पूछते है जो आदमी तुम में नबी बनाकर भेजा गया था वह कौन था? वह जवाब देता है मैं कुछ भी नहीं जानता. फिर आसमान से एक ऐलान करने वाला ऐलान करता है इसने गलत बयानी की है, इसके लिये आग से बिस्तर तैयार करो, इसको आग का लिबास पहनाओ और दोज़ख की तरफ इसकी कबर का दरवाज़ा खोल दो.

फिर रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया- दोज़ख की तरफ दरवाज़ा खुलने की वजह से उसको आग की गर्मी और जहरीली गर्म हवा पहुँचती रहेगी और उसकी कबर उस पर इतनी तंग हो जायेगी कि उसकी दायीं तरफ की पस्लियाँ बायीं तरफ और बायीं तरफ की दायीं तरफ निकल आयेंगी.

फिर उस पर एक अंधा और बहरा फरिश्ते मुकर्रर किया जायेगा जिसके पास लोहे का एक हथोडा होगा, अगर उसको किसी पहाड पर मारा जाये तो वह भी मिट्टी बन जाये, चुनाँचे वह फरिश्ता उसे इतनी ताकत और ज़ोर से मारेगा कि उसकी

आवाज़ इनसानों और जिन्नात के अलावा पूरब व पश्चिम में मौजूद तमाम मख्लूक सुनेगी और वह उस मार की वजह से मिट्टी बिन जायेगा, फिर उसमें रूह वापस लौटाई जायेगी.

२} तिर्मिज़ी, हज़रत अबू सईद खुदरी (रदी) से रिवायत है.

खुलासा:- रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया काफिर की कबर में उस पर निन्नानवे बहुत ही ज़हरीले और बडे-बडे साँप मुसल्लत किये जाते है जो कियामत तक उसे डसते रहेंगे और वे इस कद्र ज़हरीले होंगे कि अगर उनमें से कोई साँप भी ज़मीन पर फूंक मार दे तो ज़मीन कभी सब्जी (हरियाली) उगाने के काबिल न रहे.